मॉडल प्रश्न-पत्र प्रारूप (उत्तर सहित)
Model Sample Question Paper with Answers

[redacted]

इण्टरमीडिएट–द्वितीय वर्ष (Class XII)

Set 1

भूगोल (Geography)

Time – 3 Hours *Full Marks – 70*

सामान्य निर्देश : परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
दाहिने ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
प्रश्न संख्या 1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
प्रश्न संख्या 11 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 30 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 21 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अकों का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 100 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 26 से 29 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 200 शब्दों से अधिक में न दें।

बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न **1 × 10 = 10**

1. एन्थ्रोपोजियोग्राफी (मानव भूगोल) पुस्तक किसने लिखी हैं?
(a) डिमांजियाँ (b) फ्रेडरिक रैटजेल
(c) जीन ब्रुन्स (d) लेबान। *उत्तर : (c)*

2. आधुनिक मानव भूगोल का जन्मदाता किसे माना जाता है?
(a) एलन सी. सेंपल (b) रैटजेल
(c) विडाल की ला ब्लाश (d) ई. हंटिंगटन। *उत्तर : (b)*

3. 100% शहरी जनसंख्या वाला देश कौन है?
(a) सिंगापुर (b) थाईलैण्ड
(c) जापान (d) इन्डोनेशिया। *उत्तर : (a)*

4. संसारमें सबसे अधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप/महादेश कौन हैं?
(a) एशिया (b) अफ्रीका
(c) ठत्तरी अमेरिका (d) दक्षिण अमेरिका। *उत्तर : (a)*

Scanned with CamScanner

5 स्वेज नहर निम्न में से किसे जोड़ती है?
(a) हिन्द महासागर एवं अरब सागर
(b) अटलांटिक महासागर एवं प्रशांत महासागर
(c) भूमध्यसागर एवं लाल सागर
(d) हिन्द महासागर एवं प्रशांत महासागर। उत्तर : (c)

6. निम्नलिखित में कौन-सा एक प्रतिकर्ष कारक नहीं हैं?
(a) जलाभाव (b) बेरोजगारी
(c) चिकित्सा / शैक्षणिक सुविधाएँ (d) महामारियाँ। उत्तर : (c)

7. निम्नलिखित में से किस देश का लिंगानुपात विश्व में सर्वाधिक हैं?
(a) लैटविया (b) जापान (c) संयुक्त अरब अमीरात (d) फ्रांस। उत्तर : (a)

8. पनामा नहर जोड़ती है :
(a) कैरेबियन सागर – मैक्सिको की खाड़ी
(b) प्रशान्त महासागर – अटलांटिक महासागर
(c) प्रशान्त महासागर – हिन्द महासागर
(d) अटलांटिक महासागर – हिन्द महासागर उत्तर : (b)

9. कोयले का प्रमुख उत्पादक राज्य निम्न में कौन-सा हैं?
(a) झारखण्ड (b) छत्तीसगढ़
(c) महाराष्ट्र (d) मध्य प्रदेश। उत्तर : (a)

10. निम्नलिखित में से कौन-सा एक स्थलबद्ध पोताश्रय हैं?
(a) विशाखापत्तनम (b) मुम्बई (c) एन्नोर (d) हल्दिया। उत्तर : (d)

अति लघु-उत्तरीय प्रश्न 2 × 10 = 20

प्रश्न 11. आर्थिक भूगोल के छः उप-क्षेत्र कौन-से हैं? 2

उत्तर : आर्थिक भूगोल के छः उप-क्षेत्र निम्नलिखित हैं —
1. संसाधन भूगोल, 2. कृषि भूगोल,
3. उद्योग भूगोल, 4. विपणन भूगोल,
5. पर्यटन भूगोल, 6. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल।

प्रश्न 12. 'सिलिकॉन घाटी' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 2

उत्तर : "सिलिकॉन घाटी" – कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के निकट अवस्थित, विश्व का अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक नगर है। इसका विकास स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर फ्रेडरिक टरमान ने किया। 1930 ई. में इस इलेक्ट्रॉनिक नगर की पहली इकाई की स्थापना हुई। 1950 ई. के दशक में यह एक विकसित औद्योगिक पार्क के रूप में सामने आया।

इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में उत्पादन संबंधी सेवाओं को विकसित करने के उद्देश्य से संबंधित कंपनियों को इस क्षेत्र में आमंत्रित किया गया। वर्तमान में जैव-प्रौद्योगिकी में कार्यरत समग्र रोजगार का एक तिहाई भाग इस क्षेत्र में अवस्थित है। विश्वविद्यालय के शोधकार्य का लाभ उठाकर इन कंपनियों ने व्यापक विस्तार को अंजाम दिया है।

***अथवा,* अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्या है?**

उत्तर : दो देशों के मध्य सेवाओं अथवा वस्तुओं का आदान-प्रदान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है। इसके माध्यम से एक देश अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को दूसरे देश से

Scanned with CamScanner

आयात करता है तथा किसी वस्तु के उत्पादन के अधिक होने पर उस वस्तु का दूसरे देशों को निर्यात किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न सिर्फ आर्थिक क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को एक-दूसरे के निकट लाने में भी महत्त्वपूर्ण योगदान देता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की परंपरा अत्यन्त प्राचीन है। आधुनिक युग में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अर्थव्यवस्थाओं का प्रमुख आधार है। यह दो देशों के मध्य राजनीतिक संबंधों को भी अभिव्यक्त करता है।

***अथवा*, संचार से क्या समझते हैं?**

उत्तर : एक स्थान से दूसरे स्थान तक सूचनाओं एवं विचारों को पहुंचाने की व्यवस्था को ही संचार कहते हैं। इसके माध्यम डाक, तार, टेलीफोन, अखबार, रेडियो, दूरदर्शन पत्रिकाएँ एवं इंटरनेट आदि हैं।

***अथवा*, भूमध्यसागरीय कृषि क्या है?**

उत्तर : भूमध्यसागरीय कृषि मुख्य रूप से भूमध्य सागर के दोनो ओर स्थित देशों में की जांती है। इसके अन्तर्गत अफ्रिका महाद्वीप में ट्यूनेशिया, अल्जीरिया, दक्षिण अफ्रिका, दक्षिण यूरोप में इटली तथा ग्रीस तथा दक्षिण अमेरिका में चिली आदि देश आते हैं।

प्रश्न 13. चतुर्थक क्रियाकलाप क्या हैं? 2

उत्तर : चतुर्थक क्षेत्र से अभिप्राय उन उच्च बौद्धिक व्यवसायों से है जिनका संबंध चिंतन, शोध और विकास से है। उच्च वेतनमान तथा गतिशीलता इस क्षेत्र की प्रमुख विशेषता है।

दूसरे शब्दों में, चतुर्थक क्रियाकलाप विशेष एवं ज्ञान-आधारित सेवाओं को दर्शाता है, जिसमें उच्च बौद्धिक कार्यों जैसे- अनुसंधान एवं विकास, उच्च स्तर की प्रशासनिक सेवाएँ, सूचनाओं का संग्रहण, संसाधन और प्रसारण शामिल है।

आज के युग में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, इण्टरनेट प्रोग्रामिंग, चिकित्सा, रक्षा एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनुसंधान आदि से जुड़े कार्य चतुर्थक क्रिया कलाप के उदाहरण हैं।

***अथवा*, संसाधन से क्या समझते हैं?**

उत्तर : वैसे भौतिक तथा जैविक पदार्थ अथवा इकाई जिनका मानव जीवन में व्यापक प्रयोग होता है तथा जिनके बिना मानव समुदाय का विकास संभव नहीं है, संसाधन के नाम से जाने जाते हैं। मूर्त्त रूप में पृथ्वी की सतह पर या सतह से नीचे पाये जानेवाले प्राकृतिक पदार्थों को संसाधन के नाम से जाना जाता है। संसाधन जैव-भौतिक पर्यावरण के मुख्य तत्त्व होते हैं।

प्रश्न 14. व्यापार संतुलन किसे कहते हैं? 2

उत्तर : किसी देश के द्वारा किये गये आयात और निर्यात के मूल्यों के अन्तर को व्यापार संतुलन कहा जाता है। इसे व्यापार शेष के नाम से भी जाना जाता है।

यदि किसी देश के द्वारा किये गये निर्यात की मात्रा किये गये आयात से अधिक होती है तो इसे अनुकूल व्यापार संतुलन कहा जाता है तथा जब किये गये निर्यात की मात्रा, किये गये आयात से कम होती है तो इसे प्रतिकूल व्यापार संतुलन के नाम से जाना जाता है।

***अथवा*, "व्यापार संघ" क्या है?**

उत्तर : व्यापार के मार्ग में आने वाली रूकावटों तथा शुल्कों में कमी करने के उद्देश्य से दो या दो से अधिक देशों के मध्य आपसी समझौते के आधार पर बने संगठन को व्यापारिक संघ के नाम से जाना जाता है। व्यापारिक संघ में शामिल सदस्य देश एक-दूसरे के व्यापार प्रशुल्क में कमी करते हैं तथा राजनीतिक अनुबंधों के आधार पर वस्तुओं के निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित करते हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संगठित गैट (GATT) जिसका रूपान्तरण 1995 ई. में विश्व व्यापार संघ में हुआ, व्यापार संघ का महत्त्वपूर्ण उदाहरण है।

Scanned with CamScanner

वर्तमान में ओपेक (OPEC), यूरो (EURO), आसियान (ASEAN), सार्क (SAARC) आदि प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संघ हैं।

प्रश्न 15. सतत पोषणीय विकास की संकल्पना को परिभाषित कीजिए। **2**

उत्तर : किसी भी क्षेत्र में विकास सतत् अक्षुण्ण बना रहे अर्थात् विकास कहीं किसी मोड़ पर समाप्त न हो जाय बल्कि वह पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहे तो उस विकास को संपोषणीय विकास कहते हैं।

अथवा, **पार महाद्वीपीय रेलमार्ग क्या होता है? प्रमुख पार महाद्वीपीय रेलमार्गों का उल्लेख करें।**

उत्तर : वे रेलमार्ग जो पूरे महाद्वीप से गुजरते हुए उसके दोनों छोरों को जोड़ते हैं, पार महाद्वीपीय रेलमार्ग कहलाते हैं।

विश्व के प्रमुख अंतर्महाद्वीपीय या पारमहाद्वीपीय रेल मार्ग निम्नलिखित हैं –

(i) साइबेरिया पारीय रेलमार्ग।

(ii) कनाडा-प्रशांत रेलमार्ग।

(iii) आस्ट्रेलियाई अंतर्महाद्वीपीय रेलमार्ग।

अथवा, **महामार्ग क्या है?**

उत्तर : महामार्ग दूरस्थ स्थानों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें हैं जिनमें अबाधित आवागमन होता है। इन सड़कों की चौड़ाई 60 मीटर तक होती है।

प्रश्न 16. पत्तन और पोताश्रय में अंतर बताएँ। **2**

उत्तर : वह स्थान जहाँ जलयान के घाट की व्यवस्था हो एवं लंगर डालने की व्यवस्था हो वह स्थान पत्तन कहलाता है। किन्तु समुद्र या आंशिक रूप से घिरा हुआ भाग जहाँ जहाजों को सुरक्षित आश्रय मिलता है उसे पोताश्रय कहा जाता है।

पत्तन वह स्थान है जहाँ समुद्री जहाज, अपनी यात्रा के क्रम में ठहरते हैं तथा फिर अपने गंतब्य की दिशा में चले जाते हैं, जबकि पोताश्रय वह स्थान है जहाँ जहाज मरम्मत, सामान उतारने, सामान चढ़ाने आदि कार्यों के लिए अधिक समय तक रुकते हैं।

प्रश्न 17. निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग में अन्तर बताइए। **2**

उत्तर : स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को दो वर्गों में विभाजित किया गया है- निजी क्षेत्र के उद्योग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग।

(i) निजी क्षेत्र के उद्योग : वे उद्योग जिनका स्वामित्व किसी एक व्यक्ति या कुछ व्यक्तियों में निहित होता है, निजी क्षेत्र के उद्योग कहलाते हैं।

(ii) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग : वे उद्योग जिनका स्वामित्व एवं प्रबंधन सरकार के हाथों में हो, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग कहलाते हैं।

प्रश्न 18. भूख तथा कुपोषण में क्या अंतर हैं? **2**

उत्तर : भोजन का अभाव भूख है, जबकि भोजन में पोषक तत्त्वों का अभाव कुपोषण है। भूख एक सामान्य घटना है जबकि कुपोषण एक गंभीर समस्या है। गरीब वर्ग प्रायः कुपोषण का शिकार होता है, क्योंकि उसे भोजन तो प्राप्त होता है, लेकिन उसमें पोषक एवं स्वास्थ्यवर्द्धक तत्त्वों की कमी होती है।

अथवा, **खाद्य सुरक्षा क्या है?**

उत्तर : खाद्य सुरक्षा का अभिप्राय सम्पूर्ण जनसंख्या के लिए स्वास्थ्यप्रद जीवन हेतु सभी आवश्यक खाद्य-पदार्थों को उपलब्ध कराना है।

इसके लिए खाद्यान्नों का भंडारण एक उचित कदम है। इससे खाद्यान्नों के अभाव के समय लोगों को समुचित मात्रा में खाद्यान्नों की आपूर्त्ति की जा सकती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 19. भारत में रेल परिवहन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें। 2

उत्तर : (i) भारतीय रेल प्रणाली विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेलवे प्रणाली है।

(ii) कुल माल ढुलाई का 80 प्रतिशत तथा कुल यात्री परिवहन का 77 प्रतिशत रेलवे द्वारा सम्पन्न होता है।

(iii) समतल मैदानों में रेलवे का सघन जाल है जबकि पहाड़ी, वनाच्छादित, मरुस्थलीय क्षेत्रों में रेलवे का समुचित विकास नहीं हो पाया है।

(iv) रेलवे, भारत की सबसे बड़ी लोक – उपक्रम है, जिसमें 18 लाख लोग कार्यरत हैं।

प्रश्न 20. जनसंख्या संघटन से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर : जनसंख्या संघटन का अर्थ है जनसंख्या संरचना, जनसंख्या की विशेषताएँ, जनसंख्या की माप के घटक। जनसंख्या संघटन के अंतर्गत वे घटक सम्मिलित किये जाते हैं जिनके संयोजन से किसी जनसंख्या या मानव समूह की रचना होती है, जैसे- लिंग संघटन, आयु संघटन, वैवाहिक स्थिति आदि।ांघ

लघु-उत्तरीय प्रश्न $4 \times 5 = 20$

प्रश्न 21. भारतीय कृषि की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? 4

उत्तर : भारतीय कृषि की मुख्य विशेषताएँ –

(1) भारत में कृषि के अन्तर्गत खाद्यान्नों का उत्पादन अधिक होता है।

(2) कृषि में पशुओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

(3) भारतीय कृषि मानसून पर निर्भर है।

(4) अनेक फसलों का उत्पादन विस्तृत क्षेत्र में होता है।

(5) जोतों का आकार काफी छोटा है।

(6) उत्पादकता कम है।

(7) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान करती है।

***अथवा*, भारतीय कृषि की मुख्य समस्याओं का वर्णन करें।**

***अथवा*, कृषि को प्रभावित करने वाले कौन से कारक हैं?**

उत्तर : यद्यपि स्वतंत्रता के बाद से, कृषि के क्षेत्र में लगातार विकास होता रहा है, फिर भी कृषि उत्पादन वांछित स्तर तक नहीं पहुँच पाया है। विकास की गति अत्यन्त धीमी तथा असमान है। इसके निम्नलिखित कारण हैं –

(i) पर्यावरणीय कारक : कृषि उत्पादन में वृद्धि के दृष्टिकोण से वर्षा और तापमान महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय कारक हैं। भारत में तापमान वर्ष भर उच्च रहता है, लेकिन वर्षा का काल सीमित होने के कारण, कृषि कार्य कुछ महीनों तक ही सीमित होते हैं। मानसून का देर से आना तथा कमजोर मानसून कृषि उत्पादन को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित करते हैं। मानसून से भी सम्पूर्ण देश में समान रूप से वर्षा नहीं होती। अतः पर्यावरणीय दृष्टिकोण से वर्षा की अनियमितता, असमानता तथा कमी कृषि के विकास के मार्ग में एक प्रमुख बाधा है।

(ii) आर्थिक कारक : भारत में अधिकांशतः छोटे अथवा सीमांत कृषक हैं। वे आर्थिक कमजोरी की वजह से कृषि में भारी निवेश नहीं कर पाते हैं। यह निवेश, उन्नत बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, सिंचाई की व्यवस्था आदि से संबंधित होता है। इसका परिणाम यह होता है कि उनकी उपज का स्तर निम्न बना रहता है। कम ब्याज दर पर ऋण नहीं मिलने के कारण खराब समय में उनकी समस्या अत्यंत गंभीर हो जाती है।

(iii) संस्थागत कारक : जनसंख्या दबाव तथा खेतों के पारंपरिक विभाजन-दर-विभाजन के कारण खेतों का आकार छोटा होता जा रहा है। अनार्थिक जोतों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इन छोटे और बिखरे खेतों में आधुनिक पद्धति से खेती सम्भव नहीं हो पाती है, जिसका परिणाम, निम्न उत्पादकता के रूप में सामने आता है।

Scanned with CamScanner

(iv) प्रौद्योगिकीय कारक : किसानों की निम्न आर्थिक स्थिति तथा सरकारी सहायता के अभाव के कारण कृषि का मशीनीकरण वांछित अनुपात में नहीं हो पाया है। आज भी अधिकांशतः वही पुरानी हल-बैल पद्धति प्रयोग में लायी जा रही है। सिंचाई की सुविधा सिर्फ एक तिहाई फसलगत भूमि को उपलब्ध है। रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों का सीमित स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। इन सभी का परिणाम कृषि में निम्न उत्पादकता है।

प्रश्न 22. खनन के दो प्रकार कौन से हैं? इनकी विशेषताएँ बताइए। 4

उत्तर : खनन की विधियाँ : (1) धरातलीय खनन अथवा विवृत खनन।
(2) भूमिगत खनन अथवा कूप की खनन विधि।

(a) धरातलीय खनन विधि : (1) यह खनन का सबसे सस्ता तरीका है। (2) धरातल पर और धरातल के निकट ही खनिज पाये जाते हैं। (3) सुरक्षात्मक उपायों एवं उपकरणों पर खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। (4) इस खनन का सबसे सरल तरीका है। (5) इस विधि में उत्पादन शीघ्र एवं अधिक होता है।

(b) भूमिगत खनन विधि :

(1) इस विधि में गहराई तक कूप होते हैं जहाँ से भूमिगत गैलरियाँ बनायी जाती हैं।

(2) इन मार्गों में होकर खनिजों का निष्कर्षण एवं परिवहन धरातल तक किया जाता है।

(3) श्रमिकों तथा खनिजों से सुरक्षित और प्रभावी आवागमन हेतु लिफ्टों, बेधकों, ट्रालियों तथा वायु संचार प्रणाली की आवश्यकता होती है।

(4) खनन का तरीका जोखिमपूर्ण है।

(5) जहरीली गैसों, आग और बाढ़ के कारण कई बार दुर्घटनाएँ होने का भय बना रहता है।

***अथवा,* भारत में मैंगनीज अयस्क तथा बॉक्साइट के उपयोग और वितरण का वर्णन कीजिए।**

उत्तर : बॉक्साइट : बॉक्साइट का उपयोग एल्यूमिनियम बनाने में कच्चे माल के रूप में होता है। बॉक्साइट अयस्कों का संकेंद्रण भारतीय प्रायद्वीप के ऊँचे पठारों में हैं। देश में बॉक्साइट का प्रतिलभ्य भंडार 246.2 करोड़ टन तथा उपलब्ध भंडार 295.3 करोड़ टन है।

देश का आधे से अधिक बॉक्साइट उड़ीसा में पाया जाता है। आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और झारखंड में भी बॉक्साइट के विशाल भंडार हैं।

मैंगनीज – मैंगनीज का उपयोग घर्षणरोधी और जंगरोधी इस्पात बनाने में एवं लोहे के साथ मिलाकर मिश्रधातु बनाने में किया जाता है।

90 प्रतिशत से अधिक मैंगनीज धारवाड़ शैल समूहों के गौंडाइट और कांडुराइट शृंखला में पाये जाते हैं। प्रतिलभ्य भंडार 16.1 करोड़ टन तथा परीक्षित भंडार 4.9 करोड़ टन है।

उड़ीसा में सर्वाधिक मैंगनीज पाया जाता है। कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा और महाराष्ट्र में भी मैंगनीज के विशाल भंडार पाये गये हैं। आंध्रप्रदेश, झारखंड तथा राजस्थान में भी बॉक्साइट के भंडार हैं।

प्रश्न 23. भारत की शुष्क भूमि कृषि और आर्द्र भूमि कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 4

	शुष्क भूमि कृषि		आर्द्र भूमि कृषि
(1)	75 सेंटीमीटर से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में शुष्क भूमि कृषि की जाती हैं।	(1)	75 से.मी. से अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में आर्द्र भूमि कृषि की जाती है।
(2)	इन क्षेत्रों में शुष्कता सहन करने वाली फसलें जैसे – रागी, बाजरा, मूँग, चना आदि उगाई जाती है।	(2)	इन क्षेत्रों में अधिक जल चाहत वाली फसलें जैसे गेहूँ, चावल, गन्ना, जूट आदि उगाई जाती है।

Scanned with CamScanner

(3) इन क्षेत्रों में मृदा आर्द्रता संरक्षण तथा वर्षा जल संरक्षण की अनेक विधियाँ अपनायी जाती है।	(3) इन क्षेत्रों में अतिवृष्टि से वाद तथा मृदा अपरदन की समस्याएँ प्राय: उठ खड़ी होती हैं।
(4) एक तिहाई भारतीय कृषि इस प्रकार की है।	(4) लगभग दो–तिहाई भारतीय कृषि इस प्रकार की है।
(5) प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम।	(5) प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिक।
(6) प्राय: इन क्षेत्रों में गरीब किसानों का वास है।	(6) इन क्षेत्रों के किसानों की आर्थिक स्थिति प्राय: बेहतर होती है।
(7) वर्ष में एक फसल ही उगाई जाती है।	(7) वर्ष में दो या तीन फसलें उगाई जाती हैं।

अथवा, गन्ने की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं का उल्लेख करें। विश्व एवं भारत में गन्ना के प्रमुख उत्पादक स्थानों के नाम लिखें। 4

उत्तर : गन्ने की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ :

(i) जलवायु प्रदेश : गन्ने की खेती के लिए उष्ण कटिबंधीय जलवायु प्रदेश सर्वाधिक उपयुक्त है। (ii) जलवायु : गर्म तथा आर्द्र जलवायु (iii) तापमान : 20° - 27° सेल्सियस (iv) वर्षा : 75 - 120 सेंमी

(v) मृदा : गहरी मृदा जिसमें आर्द्रता धारण करने की क्षमता हो। दोमट, जलोढ़ एवं काली मिट्टी गन्ने की खेती के लिए उपयुक्त हैं।

विश्व में गन्ने के प्रमुख उत्पादक देश :

(i) भारत (ii) क्यूबा (iii) ब्राजील (iv) मैक्सिको (v) पाकिस्तान (vi) चीन (vii) इंडोनेशिया (viii) थाइलैंड (ix) आस्ट्रेलिया।

भारत में गन्ने के प्रमुख उत्पादक छेत्र :

उत्तर प्रदेश का गन्ना उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त है तथा महाराष्ट्र और कर्नाटक क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर है। तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा और गुजरात गन्ने के अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। भारत, विश्व में गन्ने का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

प्रश्न 24. धात्विक खनिज तथा अधात्विक खनिज में अन्तर स्पष्ट करें। 4

उत्तर :

धात्विक खनिज (Metallic Minerals)	अधात्विक खनिज (Non-metallic Minerals)
(i) वे खनिज जिनसे धातुओं की प्राप्ति होती है जैसे–लोहा, ताँबा, बॉक्साइट, मैंगनीज आदि।	(i) वे खनिज जिनसे अधातुओं की प्राप्ति होती है। जैसे–गंधक, कोयला, पेट्रोलियम नमक, संगमरमर, पोटाश आदि।
(ii) ये खनिज प्राय: आग्नेय चट्टानों में पाए जाते हैं।	(ii) ये खनिज प्राय: तलछटी एवं रूपान्तरित चट्टानों में पाए जाते हैं।
(iii) ये प्राय: अजैव संसाधनों से प्राप्त किए जाते हैं।	(iii) ये जैव पदार्थों से प्राप्त किए जाते हैं।
(iv) सामान्यत: इनमें चमक होती है।	(iv) सामान्यत: इनमें चमक नहीं होती है।
(v) इन्हें पीटकर पत्तर बनाया जा सकता है।	(v) इन्हें पीटकर पत्तर नहीं बनाया जा सकता है।
(vi) इन्हें दोबारा पिघला कर भी प्रयोग किया जा सकता है।	(vi) इन्हें पिघला कर प्रयोग नहीं किया जा सकता।

Scanned with CamScanner

अथवा, जल परिवहन के गुणों एवं दोषों का वर्णन करें।

उत्तर : जल परिवहन के गुण :

(i) इसमें किसी मार्ग के निर्माण की आवश्यकता नहीं होती है। ये प्राकृतिक रूप से विकसित होते हैं।

(ii) जल परिवहन एक सस्ता माध्यम है के क्योंकि इसमें ऊर्जा लागत कम होती है।

(iii) कई दुर्गम जंगलों एवं पहाड़ी इलाकों में सड़क या रेलमार्ग बनाना सम्भव नहीं होता है।

(iv) इसमें भूमि से जनसंख्या के विस्थापन की समस्या नहीं होती।

(v) आम जनता को ट्रैफिक-जाम तथा दुर्घटना की समस्या नहीं होती।

जल मार्ग के दोष :

(1) नदियों की संख्या सीमित होती हैं। जबकि, आज परिवहन की आवश्यकता प्राय: हर जगह होती है। (2) ये नदियों के जलस्तर पर निर्भर करते हैं। बाढ़ या सूखे के कारण जल परिवहन ठप्प पड़ जाता है। (3) नये तथा उँचे इलाकों में जल-परिवहन संभव नहीं होता है। (4) रेल लाइनें बिछाना या सड़कें बनाना नहर बनाने की अपेक्षा सस्ता एवं आसान है। (5) रेलों एवं सड़क परिवहन की गति पानी जहाज की तुलना में काफी तेज होती है।

प्रश्न 25. : ऊर्जा के संसाधनों का संरक्षण आवश्यक क्यों है? ऊर्जा संरक्षण के लिए अपनाए गए चार उपायों की व्याख्या कीजिए। 4

उत्तर : कोयले, तेल तथा प्राकृतिक गैस से उत्पन्न ऊर्जा को संरक्षित किया जाना अनिवार्य है क्योंकि ऊर्जा के ये संसाधन नष्ट हो जाएँगे तथा हम इन पर काफी लंबे समय तक निर्भर नहीं रह सकते। जनसंख्या बढ़ने तथा विकास स्तर में वृद्धि होने के साथ-साथ बिजली की खपत में वृद्धि हो रही है। इसीलिए ऊर्जा को संरक्षित करने के लिए निम्न उपाय अपनाए जाने चाहिए :

(i) हमें ऊर्जा के पुनर्चक्रित होने वाले साधनों को विकसित करना होगा, जो कि न केवल पारिस्थितिकी के अनुकूल होते हैं बल्कि सस्ते व सुगम होने के साथ-साथ पृथ्वी के जीवन काल तक मिलते रहेंगे। जैसे कि सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा आदि।

(ii) हमें अपने वर्तमान कार्यरत ऊर्जा उत्पन्न करने वाले संयंत्रों की गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता को बढ़ाना होगा ताकि उनकी बरबादी के बिना उनका अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

(iii) इंटीग्रेटेड नेशनल ग्रिड प्रणाली ऊर्जा संरक्षण की एक नई अवधारणा है। इसके अंतर्गत उन स्थानीय ऊर्जा संसाधनों का प्रयोग किया जाता है जो प्राय: बेकार हो जाते हैं।

(iv) भारतीय गाँवों में बड़ी संख्या में पाए जाते हैं, जिनका उपयोग कृषि से संबंधित कार्यों में किया जा सकता है। सरकार द्वारा परंपरागत ऊर्जा संसाधनों को बचाने के लिए जैव ऊर्जा युक्त पौधे अर्थात जैव ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यह ट्यूबवैल चलाने, बिजली तथा कूकिंग गैस के लिए ग्रामीण लोगों को ऊर्जा प्रदान करेगा तथा प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करेगा।

***अथवा,* खनिजों का संरक्षण क्यों आवश्यक है? खनिजों के संरक्षण के उपायों की व्याख्या कीजिए।**

उत्तर : यदि हम वर्तमान रफ्तार से खनिजों का दोहन करते रहे तो कई खनिजों का विलुप्त होना निश्चित है। इसलिए आर्थिक विकास की प्रक्रिया की निरंतरता को सुनिश्चित करने के लिए खनिज संसाधनों का संरक्षण अनिवार्य है। खनिजों का निर्माण अत्यंत धीमी प्रक्रिया के द्वारा होता है। इसमें मिलियन वर्ष का समय लगता है। अत: यदि हम इनके खपत व उपयोग की विधियों पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो भविष्य में देश को संकट का सामना करना पड़ेगा। खनिज संसाधनों को संरक्षित करने के कुछ उपाय निम्नलिखित हैं :

(i) हमें उन खनिजों का अधिक मात्रा में प्रयोग करना चाहिए जो प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। उदाहरणार्थ हम तांबे के स्थान पर एल्यूमिनियम का उपयोग कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

(ii) पुनर्चक्रित संसाधनों से निर्मित वस्तुओं के उपयोग से खनिज संसाधनों को संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

(iii) प्राकृतिक उत्पादों को बचाने के लिए उनके स्थानों पर सिंथेटिक उत्पादों का प्रयोग करना चाहिए। उदाहरणार्थ-अभ्रक के उपयोग को कम करने के लिए हम सिंथेटिक इंसूलेटर का प्रयोग कर सकते हैं।

(iv) खनन की तकनीकों का विकास करके खनन के दौरान होने वाली खनिजों की बरबादी को रोका जा सकता है।

अथवा, भारत की गुच्छित और परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

गुच्छित ग्रामीण बस्तियाँ	परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियाँ
1. गुच्छित ग्रामीण बस्ती घरों का एक संहत अथवा सन्तुलित रूप से निर्मित क्षेत्र होता है।	1. परिक्षिप्त बस्तियाँ एकाकी झोंपड़ियों में दिखाई पड़ती है।
2. ऐसी बस्तियाँ उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में पाई जाती हैं।	2. ये बस्तियाँ सुदूर जंगलों और छोटी-छोटी पहाड़ियों पर मिलती हैं।
3. सुरक्षा कारणों से लोग संहत गाँवों में रहते हैं।	3. भूमि संसाधनों की निबलता ही परिक्षिप्त बस्तियाँ का आधार बनी है।
4. मरुस्थलों में जल की कमी के कारण उपलब्ध जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग से संहत बस्तियाँ अनिवार्य बना दी हैं।	4. भूमि की ऊवड़-खावड़ प्रकृति भी परिक्षिप्त बस्तियों के निर्माण के लिए उत्तरदायी है।
5. इस प्रकार की बस्तियाँ उपजाऊ मैदानों तथा नदी घाटियों में पाई जाती है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार, पश्चिमी बंगाल आदि राज्यों में इस प्रकार की बस्तियाँ अधिकतर पाई जाती हैं।	5. मेघालय, उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में इस प्रकार की बस्तियों की बहुलता देखने को मिलती है।

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$

प्रश्न 26. भारत में लोहे और इस्पात के सभी कारखाने प्रायद्वीपीय पठारों पर ही क्यों स्थित हैं? *अथवा,* भारत में लौह-इस्पात उद्योग के स्थानीयकरण एवं वितरण का वर्णन करें। 5

उत्तर : निम्नांकित कारणों से, भारत में लोहे और इस्पात के सभी कारखाने प्रायद्वीपीय पठारों पर ही स्थित हैं –

(i) कच्चे माल अर्थात् लौह अयस्कों की उपलब्धता – टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी को लौह अयस्क की आपूर्ति नोआमुंडी एवं मयूरभंज से, झरिया और पश्चिमी बोकारो से कोयला, तथा क्योंझोर से मैंगनीज आदि प्राप्त होता है।

(ii) जल की उपलब्धता – लौह अयस्कों के शुद्धिकरण और सांद्रण के लिए भारी मात्रा में जल की आवश्यकता होती है। टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी स्वर्णरेखा नदी से जल प्राप्त कर इस आवश्यकता को पूर्ण करता है।

Scanned with CamScanner

(iii) विद्युत शक्ति की उपलब्धता – ऊर्जा, उद्योगों का आधार है। लोहे और इस्पात उद्योग में भारी मात्रा में विद्युत शक्ति की आवश्यकता होती है। ये उद्योग वैसे स्थानों पर अवस्थित हैं जहाँ जल विद्युत केन्द्र सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं। जैसे इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी को दामोदर घाटी परियोजना से बिजली प्राप्त होती है।

(iv) परिवहन एवं श्रमिक वर्ग – उद्योगों में विभिन्न प्रकार के उद्यमियों की आवश्यकता होती है। बेहतर जीवन स्तर की सुनिश्चितता तथा उन्नत परिवहन व्यवस्था के कारण देश के विभिन्न भागों से उद्यमियों का यहाँ तक पहुँचना आसान ही नहीं उत्साहवर्धक भी हो जाता है। जैसे – टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की तरफ से कर्मचारियों के लिए एक सम्पूर्ण नगर बसाया गया एवं आधुनिक सुविधाओं का जाल बिछाया गया। तब, देश के विभिन्न कोने से विभिन्न योग्यता एवं क्षमतावाले उद्यमी यहाँ तक पहुँचने में सफल हुए।

अथवा, विश्व में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर : जनसंख्या वितरण का तात्पर्य यह जानना है कि मानव की प्रत्येक इकाई कहाँ–कहाँ निवास कर रही है तथा घनत्व का तात्पर्य है मानव का भूमि के संदर्भ में अनुपात। इन दोनों तथ्यों को प्रभावित करने वाले भौगोलिक/भौतिक कारक निम्नलिखित हैं :

भौगोलिक/भौतिक कारक के अंतर्गत उच्चावचन, जलवायु, मिट्टी और खनिज प्रमुख कारक हैं जो जनसंख्या वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करते हैं।

(क) उच्चावचन : धरातल की बनावट के अनुसार मानव का वितरण और घनत्व बदलता है। पहाड़ी क्षेत्र में घनत्व कम, पठारी में मध्यम और मैदानी भागों में अत्यधिक होता है क्यों कि उच्चावचन के अनुसार सुविधाओं में तथा संसाधनों की गुणवत्ता में कमी–बेसी होती है।

(ख) जल की उपलब्धता : जल जीवन का सबसे महत्वपूर्ण कारक है। लोग उन्हीं क्षेत्रों में बसने को प्राथमिकता देते हैं जहाँ जल आसानी से मिलता है। यही कारण है कि नदी घाटियाँ विश्व के सबसे घने बसे हुए क्षेत्र हैं।

(ग) जलवायु : विषम जलवायु में मानव नहीं रह सकता किन्तु सम जलवायु में वह आराम से रह लेता है अतः जलवायु के कारण भी घनत्व प्रभावित होता है। पश्चिमी यूरोप का अनुकूल या सम जलवायु लोगों को आकर्षित करती है जबकि सहारा या ध्रुवीय क्षेत्रों की विषय जलवायु विकर्षित करती है।

(घ) मिट्टी : मिट्टी की उर्वरता अलग–अलग स्थानों पर अलग–अलग होती है। नदी घाटी प्रदेश की मिट्टी उर्वरक होती है अतः यहाँ घनत्व अधिक होता है जबकि बंजर भूमि वाले क्षेत्रों में जैसे शुष्क मरुस्थलों में घनत्व कम होता है।

(ङ) खनिज : जहाँ खनिज पाये जाते हैं वहाँ औद्योगिक वृद्धि होती है अतः घनत्व में वृद्धि होती है। झारखण्ड पठारी क्षेत्र होते हुए भी खनिज की बहुलता के कारण अधिक घनत्व वाला क्षेत्र होता जा रहा है।

अथवा, वायु प्रदूषण क्या है? वायु प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोतों का वर्णन करें। वायु प्रदूषण के प्रभावों का वर्णन करें।

उत्तर : **वायु प्रदूषण :** प्राकृतिक रूप से वायुमंडल में व्याप्त विभिन्न गैसों के सापेक्षिक अनुपात में परिवर्तन को वायु प्रदूषण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में जीवनदायी ऑक्सीजन गैस प्रदूषित हो जाती है तथा इससे श्वसनतंत्र, स्नायुतंत्र आदि से संबंधित बीमारियाँ होती हैं।

वायु प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोत :

(i) प्राकृतिक स्त्रोत : ज्वालामुखी विस्फोट, तूफान।

(ii) मानवीय स्त्रोत : औद्योगिक इकाइयों से निकली जहरीली गैसें, मोटर–वाहनों से निकले विषैले धुएँ, क्लोरोफ्लोरो कार्बन, वायुयान के धुएँ आदि।

Scanned with CamScanner

वायु प्रदूषण के प्रभाव :

(i) मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रत्यक्ष और गंभीर प्रभाव पड़ता है। वायु प्रदूषण का सीधा असर श्वसन-तंत्र पर पड़ता है तथा इस तंत्र से संबंधित बीमारियाँ उत्पन्न होती है। जैसे- फेफड़े के रोग, हृदय रोग, स्नायु तथा परिसंचरण तंत्र से संबंधित बीमारियाँ।

(ii) वायु प्रदूषण का मुख्य कारक क्लोरोफ्लूरोकार्बन है जो ओजोन परत को नष्ट करता है। इससे सूर्य की पराबैंगनी किरणें सीधे पृथ्वी तक पहुँचती हैं जो व्यक्ति की त्वचा को नुकसान पहुँचाती हैं तथा इससे त्वचा के कैंसर होने की संभावना रहती है।

(iii) वायु प्रदूषण के कारण वायुमंडल में कार्बनडाईऑक्साइड गैस के संकेंद्रण में वृद्धि होती है, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है। इसे 'ग्लोबल वार्मिंग' या 'हरित गृह प्रभाव' के नाम से जाना जाता है।

(iv) वायु प्रदूषण का सर्वाधिक गंभीर दुष्परिणाम 'अम्ल वृष्टि' के रूप में सामने आता है, इससे जीव जंतुओं तथा वनस्पतियों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 27. ग्रामीण बस्तियों के विविध प्रतिरूपों का वर्णन कीजिए। 5

***अथवा*, भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रतिरूपों का वर्णन करें।**

उत्तर : ग्रामीण बस्तियों के मुख्य प्रतिरूप निम्नलिखित हैं–

(i) रेखीय प्रतिरूप – नदियों, नहरों, मुख्यमार्गों के किनारे बनी बस्तियों का प्रतिरूप रेखीय होता है। इन बस्तियों में मकान एक-दूसरे के सामने बने होते हैं। केरल के तटीय प्रदेशों तथा इन घाटी में इस प्रकार की बस्तियाँ पायी जाती है।

(ii) पंखा या तारक प्रारूप – उस स्थान के आस-पास जहाँ कई रास्ते आकर आपस में मिलते हैं, विकसित हुए बस्ती का आकार तारक होता है। दो सड़कों के बीच भी मकान बन जाते हैं तो इसका आकार एक तारे या पंखे के समान हो जाता है। गंगा के उत्तरी मैदानों तथा तमिलनाडु में इस प्रकार की बस्तियाँ पायी जाती हैं।

(iii) आयताकार या कॉस प्रतिरूप – दो मार्गों के समकोण पर विकसित बस्ती का आकार आयताकार होता है। उत्तरी मैदानों, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश तथा दक्षिणी मैदानों में इस प्रकार की बस्तियाँ पायी जाती हैं।

(iv) वृत्ताकार प्रतिरूप – इस प्रकार की बस्तियों का विकास किसी जलाशय अथवा धार्मिक केन्द्र के आस-पास होता है। गंगा के उत्तरी मैदानों, मध्यप्रदेश, गुजरात तथा महाराष्ट्र में इस प्रकार की बस्तियाँ पाई जाती हैं।

(v) दोहरा या युग्म प्रतिरूप – नदियों के संगम स्थान या दो सड़कों की शाखाओं के बीच विकसित बस्ती का आकार पंखे की तरह हो जाता है। मध्य प्रदेश का असलाना गाँव तथा तमिलनाडु का कन्याकुमारी कस्बा पंखा प्रतिरूप के उदाहरण हैं।

***अथवा*, अंतरमहाद्वीपीय रेलमार्ग क्या है? संसार के प्रमुख अंतरमहाद्वीपीय रेलमार्गों के नाम लिखें। साइबेरिया पारीय रेलमार्ग के प्रमुख लक्षण लिखिए।**

उत्तर : एक महाद्वीप के दो सुदूर छोरों को आपस में जोड़ने वाले रेलमार्गों को अंतरमहाद्वीपीय रेलमार्ग के नाम से जाना जाता है। इन मार्गों का निर्माण बढ़ते राजनीतिक एवं आर्थिक प्रभावों का परिणाम है।

विश्व के प्रमुख अंतरमहाद्वीपीय रेल मार्ग हैं –

(i) साइबेरिया पारीय रेलमार्ग। (ii) कनाडा-प्रशांत रेलमार्ग।

(iii) आस्ट्रेलियाई अंतर्महाद्वीपीय रेलमार्ग।

ट्रांस-साइबेरियन रेलवे की विशेषताएँ निम्न हैं :

(i) 9,332 कि.मी. लम्बा यह रेलमार्ग डबल ट्रैक (दोहरी लाइन) से बना है, अर्थात् आने व जाने वाली गाड़ियों के लिए पृथक व्यवस्था है। (ii) यह रूस का प्रमुख रेलमार्ग है। यह रूस के पश्चिम में स्थित सेंट पीटर्सबर्ग व पूर्व में बसे ब्लाडीवोस्टक को आपस में जोड़ती है।

Scanned with CamScanner

(iii) इस रेलमार्ग पर स्थित प्रमुख स्टेशन है– मास्को, लेनिनग्राद, उफा, नोवोसिबिर्स्क, इर्कुटस्क, चीता और खैबारोवस्क। (iv) यह रेलगाड़ी खनिज, लकड़ी की लुगदी, खेती तथा पशुधन से प्राप्त उत्पादों को साइबेरिया में, यूरोप से लगे रूस तक पहुँचाती है। साइबेरिया के सामाजिक-आर्थिक विकास में इसका बड़ा योगदान रहा है।

(v) यूरोपीय रूस से तैयार माल को पूर्वी भागों तक पहुँचाने में यह रेलगाड़ी सहायक है।

(vi) माल परिवहन के अलावा यह गाड़ी भारी मात्रा में सवारियों को एक से दूसरे स्थान तक पहुँचाती है। (vii) यह संसार का सबसे लम्बा रेलमार्ग है। इसने एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ा है।

प्रश्न 28. ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में अंतर बताएँ। **5**

***अथवा,* भारत की ग्रामीण तथा नगरीय बस्तियों में मूलभूत अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर :

	ग्रामीण बस्तियाँ		शहरी बस्तियाँ
(i)	ग्रामीण बस्तियों में रहने वाले अधिकतर व्यक्ति बुनियादी जरूरतों के कार्यों जैसे कृषि अथवा उससे संबंधित धंधों पशुपालन या वन पालन से जुड़े होते हैं।	(i)	शहरी बस्तियों के नागरिक घरेलू जरूरतों व अन्य किस्म के धंधों जैसे कि उद्योग, यातायात, नौकरियाँ, शिक्षा आदि से जुड़े होते हैं।
(ii)	ग्रामीण बस्तियों में जनसंख्या की सघनता बहुत कम होती है तथा इन बस्तियों में मकानों की संख्या भी कम होती है।	(ii)	शहरी बस्तियों में जनसंख्या की सघनता काफी ज्यादा होती है एवं वहाँ पर मकानों की संख्या भी अधिक होती है।
(iii)	ग्रामीण बस्तियों के मकान स्थानीय स्रोतों से प्राप्त वस्तुओं जैसे मिट्टी, फूस, ईटों आदि से निर्मित होते हैं।	(iii)	शहरी बस्तियों के मकानों के निर्माण में कंक्रीट, शीशे, लोहे आदि का प्रयोग अधिक होता है।
(iv)	इन बस्तियों में स्वच्छ जल, बिजली, टेलीफोन, अस्पताल आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव होता है।	(iv)	शहरी बस्तियों में जीवन यापन हेतु सभी मूलभूत सुविधाएँ अत्यन्त विकसित रूप में उपलब्ध होती हैं।

***अथवा,* संसार में पाँच प्रकार की नगरीय बस्तियों के नाम बताइए। प्रत्येक प्रकार की बस्ती की एक-एक मुख्य विशेषता लिखिए।**

उत्तर : नगरीय बस्तियों के प्रकार –

1. कस्बा 2. नगर 3. सन्नगर 4. मिलियन सिटी 5. मेगा सिटी

1. कस्बा : पचास हजार से अधिक, लेकिन एक लाख से कम जनसंख्या वाले नगरीय क्षेत्र को कस्बे के नाम से जाना जाता है। ये देश के आंतरिक भाग में अवस्थित होते हैं। कस्बों एवं ग्रामों में कार्य की विषमता सदैव स्पष्ट नहीं होती है, परन्तु विशेष कार्य जैसे- निर्माण, खुदरा एवं थोक-व्यापार एवं व्यावसायिक सेवाएँ कस्बों में विद्यमान होती हैं।

2. नगर : नगर कस्बों का अग्रणी रूप हैं। नगर उच्च एवं अधिक जटिल प्रकार के सहचारी जीवन का भौतिक रूप है। नगर कस्बों से बड़े होते हैं। इनके आर्थिक कार्य भी अधिक होते हैं। यहाँ प्रमुख वित्तीय संस्थान, प्रादेशिक प्रशासकीय कार्यालय एवं यातायात के केन्द्र होते हैं।

3. सन्नगर : यह विशाल नगरीय क्षेत्र होते हैं जो कि मूलतः अलग-अलग नगरों के आपस में मिल जाने से एक विशाल नगरीय विकास क्षेत्र में परिवर्तित हो जाते हैं।

Scanned with CamScanner

4. मिलियन सिटी (महानगर) : दस लाख और दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों को मिलियन सिटी कहा जाता है। मिलियन सिटी की संख्या पहले की अपेक्षा निरन्तर बढ़ रही है। सन् 2005 में दस लक्खी नगरों की संख्या 438 थी।

5. मेगासिटी : मेगासिटी का अर्थ एक विशाल नगर है। इसे विश्वनगरी भी कहते हैं। यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है। मेगासिटी के मुख्य नगर और उपनगरों की मिलकर जनसंख्या एक करोड़ या एक करोड़ से अधिक होती है।

प्रश्न 29. दिये गये विश्व के रेखा-मानचित्र पर विश्व के किन्हीं पाँच महानगर / मेगासिटी को दर्शाएँ।

उत्तर : **विश्व के महानगर / मेगासिटी**

(कोष्टक में दिये गये देशों की स्थिति भी देख कर ध्यान में रखें)

टोक्यो (जापान) – *संसार का सबसे बड़ा मेगासिटी (2006 ई.)*
मैक्सिको सिटी (मैक्सिको) – *संसार का सबसे बड़ा मेगासिटी (2000 ई.)*
सियोल (द. कोरिया)
न्यूयार्क (स. रा. अमेरिका)
साओ पाओलो (ब्राजील)
मुम्बई (भारत)
दिल्ली (भारत)
शंघाई (चीन)
लॉस एंजेल्स (स. रा. अमेरिका)
ओसाका (जापान)
जकार्ता (इंडोनेशिया)
काहिरा (मिस्र)
कराची (पाकिस्तान)
ब्यूनस आयरस (अर्जेन्टीना)
रियो डि-जेनेरो (ब्राजील)
लंदन (ब्रिटेन) – *यूरोप का सबसे बड़ा महानगर*
बीजिंग (चीन)
मास्को (रूस)

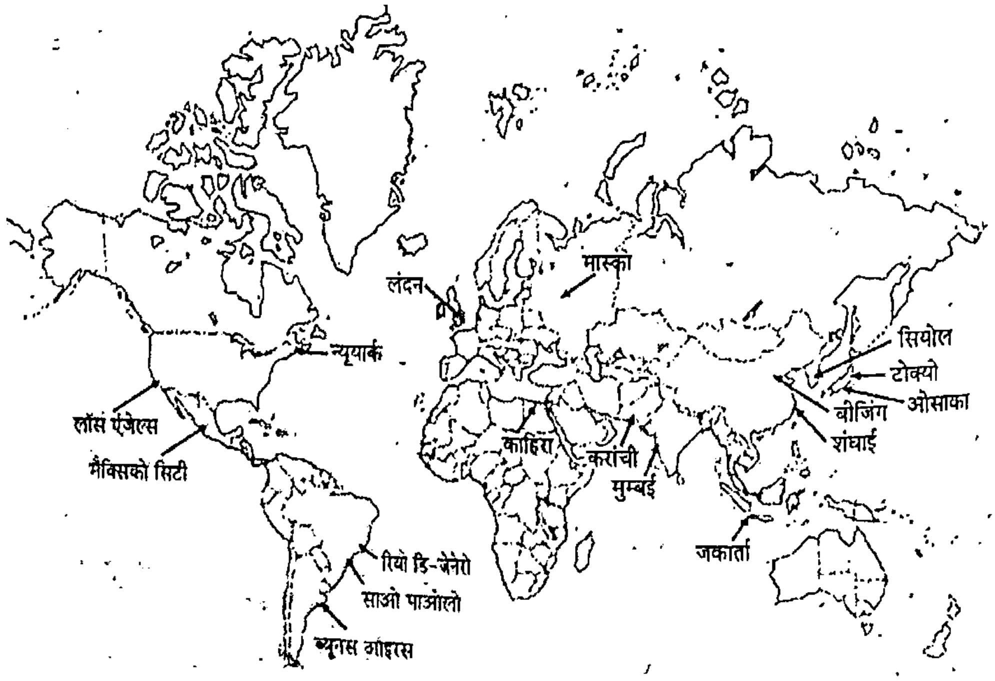

Scanned with CamScanner

अथवा, दिये गये विश्व के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ। 5

(a) विश्व के उच्चतम तथा निम्नतम मानव विकास सूचकांक वाले देश
- नार्वे (उच्चतम), नाइजर (निम्नतम)

(b) ताम्बा उत्पादन में अग्रणी देश - चिली

(c) मिसीसिपी जलमार्ग

(d) उत्तर पश्चिम यूरोप का मिश्रित कृषि का क्षेत्र

Scanned with CamScanner